RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

GEOGRAPHY

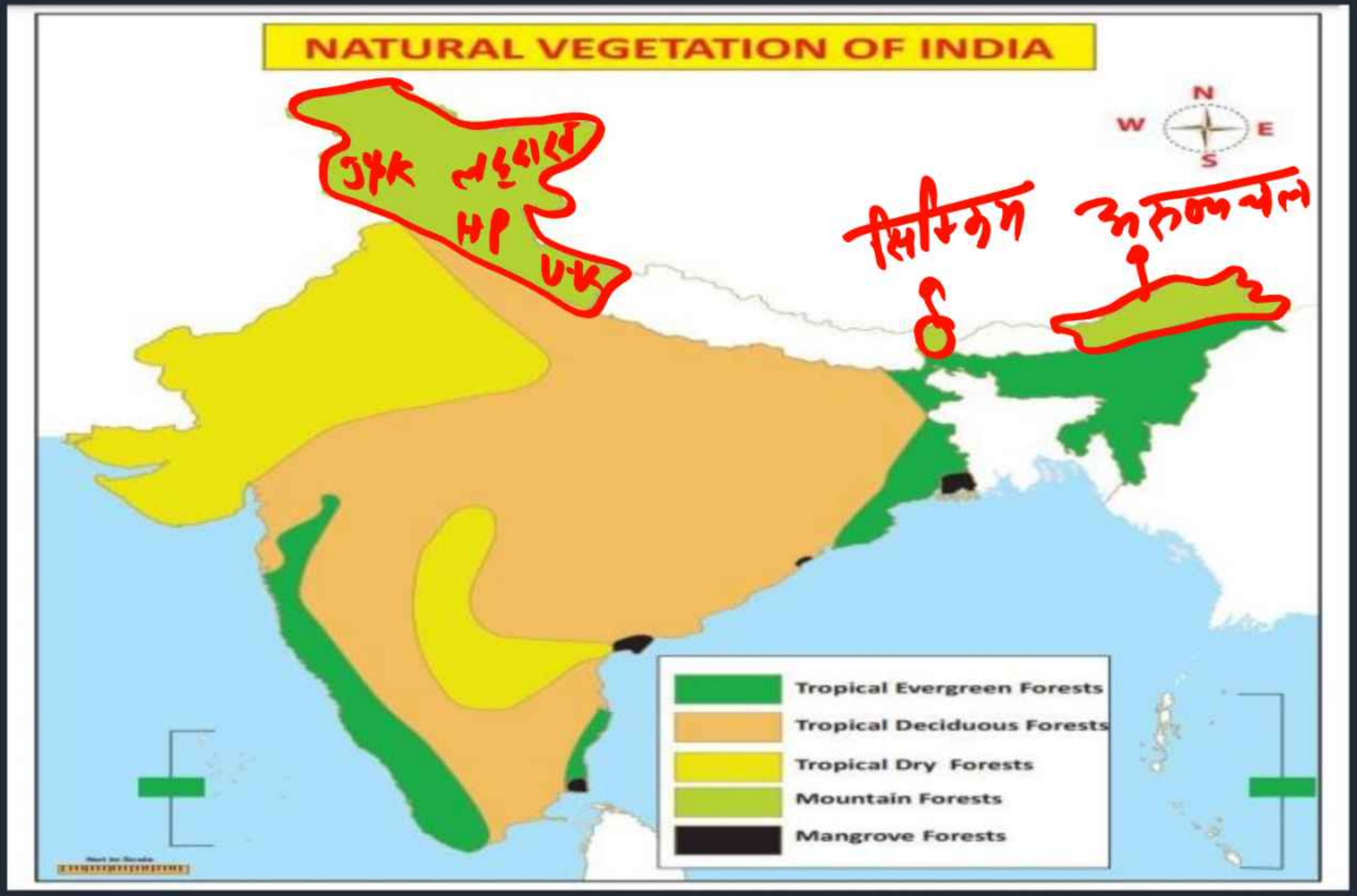
भारत की वनस्पतियां

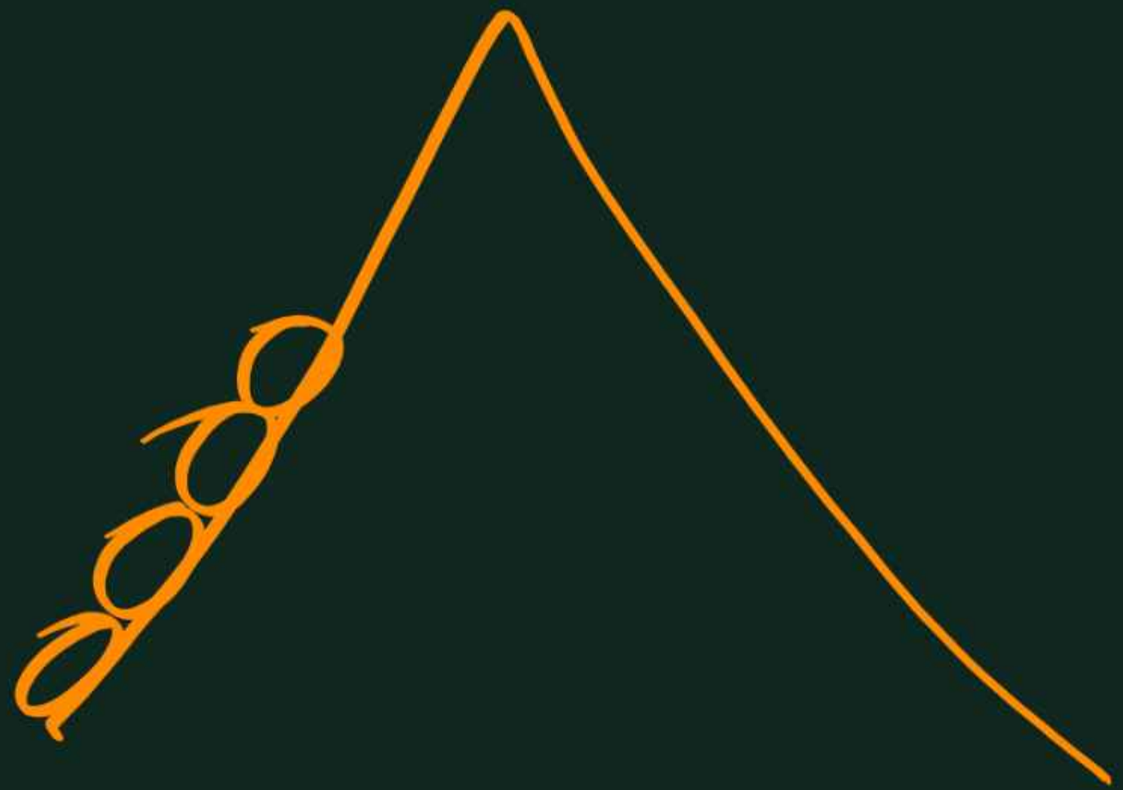
Part -2



LIVE STREAMING

27-05-2024 12AM


NATURAL VEGETATION OF INDIA
N
W
E
S
Tropical Evergreen Forests
Tropical Deciduous Forests
Tropical Dry Forests
Mountain Forests
Mangrove Forests



(5) पर्वतीय वन (mountainous forest)



1km

- 1000 m की ऊंचाई तक = आर्द्र पर्णपाती वन पाये जाते है।

(Up to an altitude of 1000 m = moist deciduous forests are found.)

- प्रमुख वृक्ष :- साल, सागवान, शीशम, चंदन आदि।

(Main trees: Sal, teak, rosewood, sandalwood etc.)

1 km – 2 km

- 1000 m - 2000 m की ऊँचाई तक आर्द्र शीतोष्ण वन पाये जाते है।

(Humid temperate forests are found up to an altitude of 1000 m - 2000 m.)

प्रमुख वृक्ष -ओक, चेस्टनट (चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष)

Main plants - oak, chestnut(broad leaves plants)

1.5 km – 3 km

- 1500 से 3000 m की ऊंचाई तक

(1500 to 3000 m altitude)

-शंकुधारी वन

(coniferous forest)

-चीड़ (Pine), देवदार (Cedar), स्प्रूस (spruce)

- 3600 m से अधिक ऊँचाई पर

  at an altitude of more than 3600 m

  -अलपाइन वनस्पति (Alpine Vegetation)

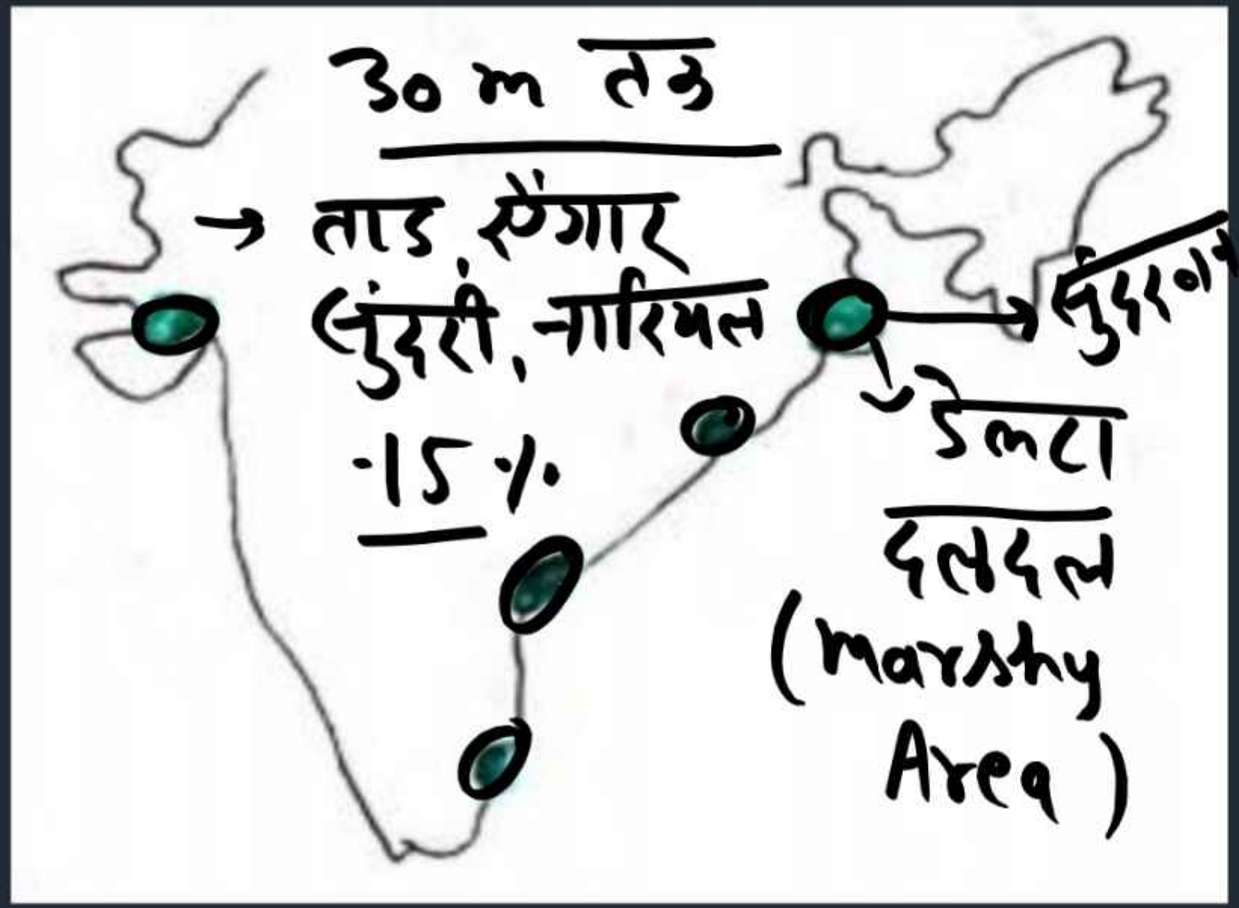
  -सिल्वर, फर (silver - fir) ,जूनिपर (Juniper)

- प्रमुख क्षेत्र (Main Area) :- J&k, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश |

Main Area :- J&k, Laddakh, Himachal Pradesh, Sikkim, Arunachal Pradesh etc.

ज्वारीय वन / मैंग्रोव वन

(Tidal forests)





- ये वन दलदली क्षेत्र (Marshy area), डेल्टाई क्षेत्र (Delta) में देखने को मिलते हैं, जैसे सुन्दरवन डेल्टा (पं. बंगाल), कच्छ का रण (गुजरात) कृष्णा गोदावरी डेल्टा (A.P), कावेरी का डेल्टा (तमिलनाडु) आदि ।

These forests are found in marshy area, Delta area, such as Sunderbans Delta (West Bengal), Rann of Kutch (Gujarat), Krishna Godavari Delta (A.P), Kaveri's Delta (Tamil Nadu) Etc .

- इन वनों में वृक्षों (Plants) की ऊँचाई (Height) : 30m तक

Height of Plants in these forests: up to 30m

- प्रमुख वृक्ष :- सुंदरी (Sundari), नारियल (coconut), ताड (palms) , ऐगार (agar) आदि ।

Major trees: Sundari, coconut, palms, agar etc.

- इन वनों (forests) के वृक्षों (Plants) की जड़ें (Roots) जटा (matted hairs) की तरह फैली होती है, एवं अपने तने (Trunk) को पानी से ऊपर उठा कर रखती है।

The roots of the plants of these forests are spread like matted hairs, and keep their trunk above the water.

- भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र (Tatal Grographical Area) के .15% पर Tidal forests का विस्तार है।

Tidal forests are spread over .15% of the total geographical area of India.

- भारत में Tidal forests का सर्वाधिक विस्तार – 1. पं बंगाल 2. गुजरात में पाया जाता है।

The maximum expansion of Tidal forests in India is found in – 1. West Bengal 2. Gujarat.

- भारत में Tidal Forests का सबसे बड़ा क्षेत्र (Largest Area) सुंदरवन है।



Sundarbans is the largest area of Tidal Forests in India.

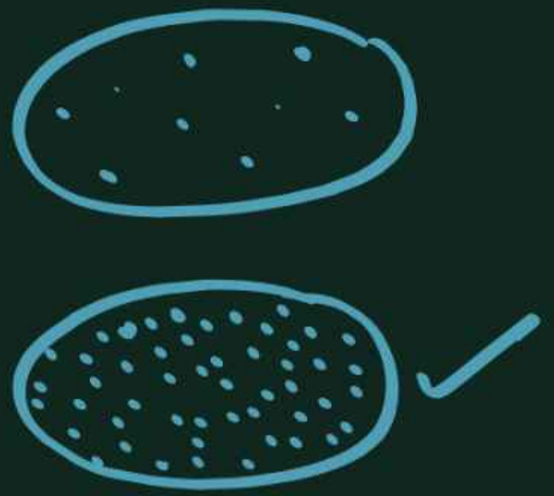
महत्वपूर्ण तथ्य (Important Facts)

- भारत में वनों का सर्वाधिक क्षेत्रफल - मध्यप्रदेश, अरुणाचल, छत्तीसगढ

Maximum area of forests in India - Madhya Pradesh

- भारत में सर्वाधिक अति सघन वन (Most dense forests):- अरुणाचल Pradesh

Most dense forests in India:- Arunachal pradesh



- वनों का सर्वाधिक प्रतिशत (Percentage) विस्तार :- 1. लक्षद्वीप (90%) 2. मिजोरम (85%)

Maximum percentage of forests:- 1. Lakshadweep (90%) 2. Mizoram (85%)

- भारत में वनों का न्यूनतम (Minimum) विस्तार :- हरियाणा

Minimum extent of forests in India :- Haryana

- भारत में सर्वाधिक (Maximum) विस्तृत वन :- उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन (tropical dry deciduous forest)

५०.४६.१० → वन स्थिति रिपोर्ट, २०१७

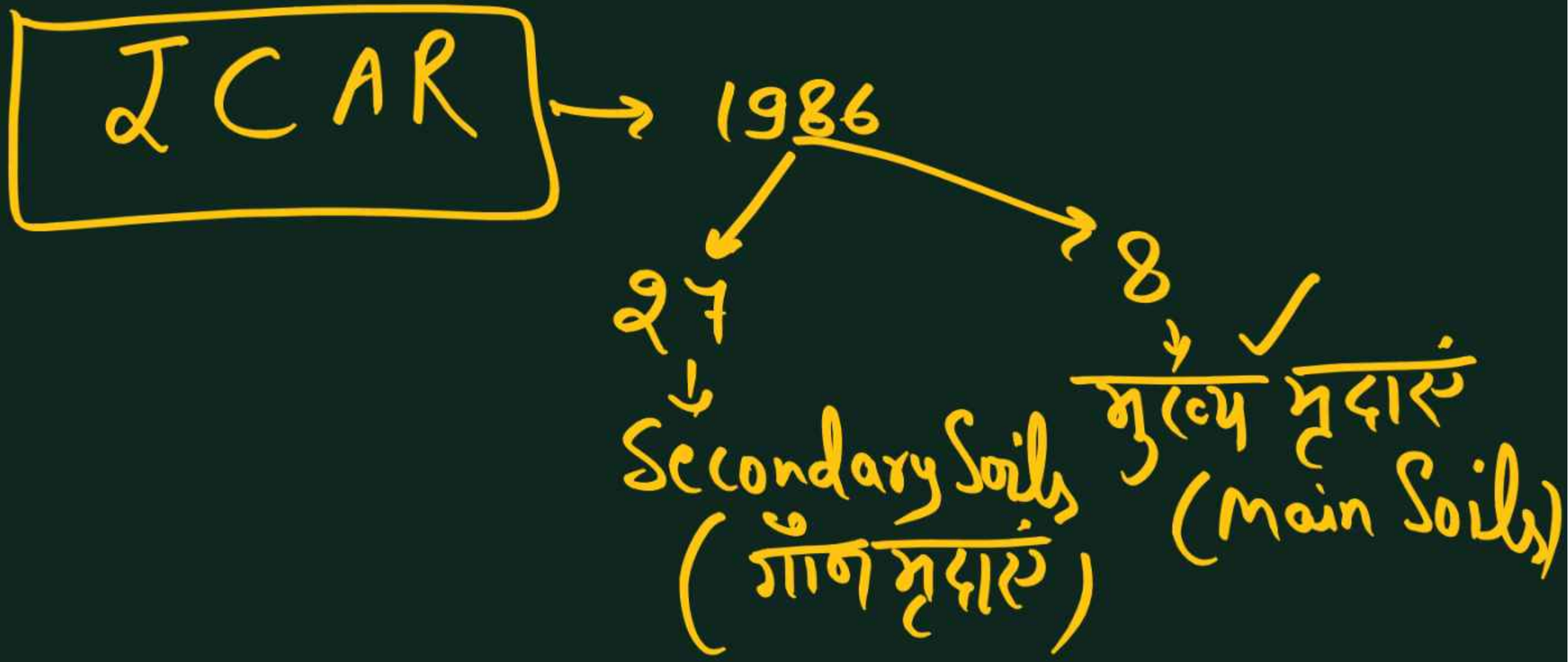
Maximum extensive forest in India :- Tropical dry deciduous forest

Topic Completed

Next - भारत की मृदाएं
(Soils of India)

भारत की मृदाएं
Soils of India

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Indian Council of Agricultural Research.


ICAR
1986
27
8
Secondary Soils
(गौण मृदाएं)
मुख्य मृदाएं
(Main Soils)



भारत की मृ

Solls of In

→ सर्वाधिक उपजाऊ (Most fertile)

→ सर्वाधिक विस्तृत मृदा

↳ लगभग 40 % क्षेत्रफल पर (NCERT)

→ गेहूँ, गन्ना, चावल

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने 1986 में बताया भारत में 8 प्रमुख,27 गौण मृदाएँ प्राप्त होती है।

(In 1986 Indian Council of Agricultural Research (ICAR) was told that 8 major and 27 minor soils are found in India.)



भाकृअनुप
ICAR

(1) जलोढ मृदा (Alluvial Soil)

(2) लाल मृदा (Red Soil)

(3) काली मृदा (Black Soil)

(4) लैटेराइट मृदा (Laterite Soil))

m.g.m

(5) मरुस्थलीय मृदा (Desert Soil)

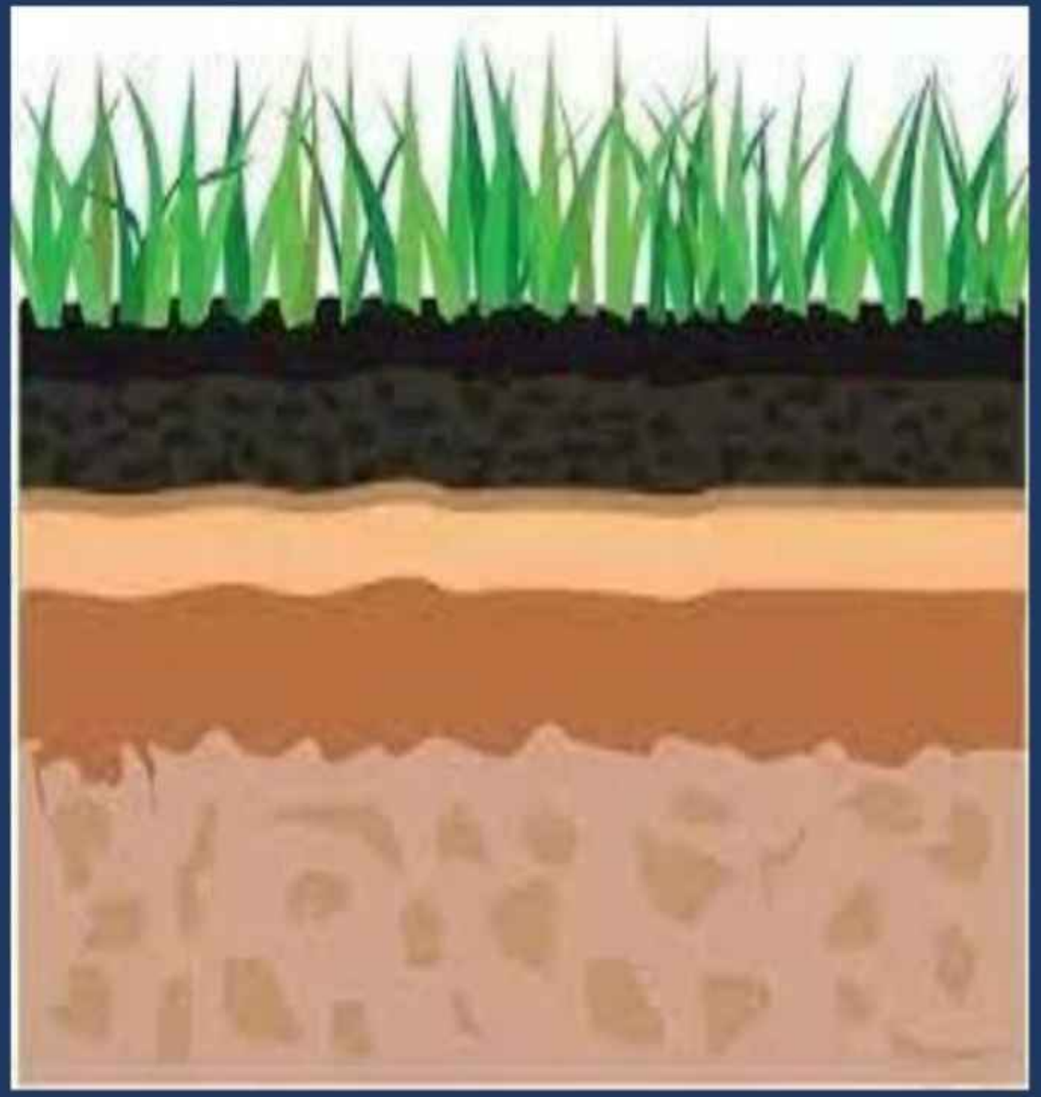
(6) पर्वतीय मृदा (Mountainous Soil)

(7) पीट एवं जैविक मृदा (Peaty Soil)

(8) नमकीन एवं क्षारीय मृदा (saline and Alkaline Soil)

जलोढ मृदा (Alluvial Sall) :





- जलोढ मिट्टियाँ विशाल मैदानों(पंजाब से असोम तक), नर्मदा, तापी, महानदी, गोदावरी, कृष्णा तथा कावेरी की घाटियों एवं केरल के तटवर्ती भागों में लगभग 15 लाख वर्ग किमी क्षेत्र (देश के 43.4% भू-क्षेत्र) पर विस्तृत है। (NCERT में 40% क्षेत्र पर विस्तार दिया गया है।

- Alluvial soils are spread over an area of about 15 lakh sq km (43.4% of the country's land area) in the vast plains(from Punjab to Asom), Narmada, Tapi, Mahanadi, Godavari, Krishna and Kaveri basins and the coastal parts of Kerala. . (Expansion on 4% field is given in NCERT.

काटकर लाये गये पदार्थ

- ये मिट्टियाँ नदियों द्वारा अपरदित पदार्थों से निर्मित हैं।

(These soils are made of materials eroded by the rivers.)

- ये हल्की भूरे से राख जैसे भूरे रंग की हैं तथा गठन में रेतीली से दोमट प्रकार की हैं।

(They are light brown to ash brown in color and sandy to loamy in texture)

- इन मृदाओं में पोटाश व चूना प्रचुर मात्रा में मिलता है, फास्फोरस, नाइट्रोजन और जीवांश का अभाव होता है।

(Potash and lime are available in abundance in these soils, there is lack of phosphorus, nitrogen and organic matter.)

- यह मिट्टी धान, गेहूँ, गन्ना, दलहन, तिलहन आदि की खेती के लिए उपयुक्त होती है।

(This soil is suitable for the cultivation of paddy, wheat, sugarcane, pulses, oilseeds etc.)

- जलोढ़ मृद्राओं पर गहन कृषि की जाती है (NCERT)

(Intensive agriculture is done on alluvial soils (NCERT)

- ये मृदा अत्यधिक उपजाऊ, (fertile ~~fertile~~ sall) मृदा है।

(This soil is highly fertile.)

- इस मृदा को कछारी , कांप भी कहा जाता है।

(This soil is also known as Kachari soil, Kamp soil.)